ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

अमृतवेले से लेकर हर चलन को चेक करो - हमारी दृष्टि अलौकिक है? चेहरे का पोज़ सदा हर्षित है? एकरस, अलौकिक है वा समय प्रति समय बदलता रहता है? सिर्फ योग में बैठने के समय वा कोई विशेष सेवा के समय अलौकिक स्मृति वा वृत्ति रहती है व साधारण कार्य करते हुए भी चेहरा और चलन विशेष रहता है? कोई भी आपको देखे - कामकाज में बहुत बिज़ी हो, कोई हलचल की बात भी सामने हो लेकिन आपको अलौकिक समझते हैं? **तो चेक करो कि बोल-चाल, चेहरा साधारण कार्य में भी न्यारा और प्यारा अनुभव होता है? कोई भी समय अचानक कोई भी आत्मा आपके सामने आ जाए तो आपके वायब्रेशन से, बोल-चाल से यह समझेंगे कि यह अलौकिक फरिश्ते हैं?** क्योंकि आज का दिन संगम का दिन है, पुराना जा रहा है, नया आ रहा है। तो क्या नवीनता विश्व के आगे दिखाई दे?

Check everything you do throughout the day from Amritvela. Is your vision alokik? Is the pose of your face constantly cheerful? Is it constantly stable or does it change from time to time? Is your awareness and attitude only alokik when you are sitting in yoga and when you are doing special service? Or, does your face and behaviour stay special even whilst you are carrying on with your ordinary work? Does everyone who sees you consider you to be alokik even when you are very busy at work or in any situation of upheaval? Therefore, check whether your way of speaking and acting are alokik. **Check whether even whilst you are doing anything ordinary, it can be seen from your face that you are loving and detached. Do souls who suddenly appear in front of you at any time, experience you to be alokik angels from your vibrations, your way of speaking and doing everything?** Today is the day of the confluence. The old is going and the new is coming! So what newness should you reveal to the world?

Avyakt Vani - 31.12.1999

अव्यक्त शिक्षाएँ

जो आंखों में समाये हुए हैं वह हैं ..निरन्तर योगी।

सर्वज्ञ परमात्मा बाप से ही सदा काल की प्राप्ति होगी इसलिए अल्पज्ञ आत्माओं से अल्पकाल की प्राप्ति की इच्छा नहीं रखो।

Avyakt Murli - 8-5-1973

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/AvyaktMurliEssence

"अन्तुर्मुखी अर्थात् सदा देह से न्यारे और बाप के प्यारे"

जितना देह से न्यारे बनते जायेंगे उतना ही बाप के प्यारे बनेंगे। बाप प्यारा तब लगता है जब देह से न्यारे देही रूप में स्थित होते। तो सदा इसी अभ्यास में रहते हो? जैसे पाण्डवों की गुफायें दिखाते हैं ना, तो गुफायें कोई और नहीं हैं, लेकिन पाण्डव इन्हीं गुफाओं में रहते हैं। इसी को ही कहा जाता है अन्तर्मुखता। जैसे गुफा के अन्दर रहने से बाहर के वातावरण से परे रहते हैं ऐसे अन्तुर्मुखी अर्थात् सदा देह से न्यारे और बाप के प्यारे रहने के अभ्यास की गुफा में रहने वाले दुनिया के वातावरण से परे होते, वह वातावरण के प्रभाव में नहीं आ सकते। जो बाप का प्यारा होगा वह न्यारा जरूर होगा-क्योकि जिससे प्यार है वह जैसा होगा वैसा ही बनेगा। बाप सदा न्यारा है तो जो बाप का प्यारा होगा वह भी सदा न्यारा होगा।

Avyakt Murli - 16-01-79

/AvyaktMurliEssence

If the seed of thought is powerful, words and actions become powerful and the waste things do not approach us.

आजकल जो पुरुषार्थ पुरूषार्थियों का चल रहा है, उसमें मुख्य कमजोरियाँ कौनसी दिखाई देती हैं? (1) एक तो स्मृति में समर्थी नहीं रही है। (2) दृष्टि में दिव्यता वा अलौकिकता यथाशक्ति नम्बरवार आयी हुई है। (3) वृत्ति में विल-पावर न होने का कारण वृत्ति एकरस न हो, चंचल होती है। (4) निराकारी अवस्था का अटेन्शन कम होने के कारण मुख्य विकार देह-अभिमान, काम और क्रोध-इन तीनों का वार समय प्रति समय होता रहता है। (5) संघटन में रहते वा संपर्क में आते वायुमण्डल, वायब्रेशन अपना इम्प्रेशन डालता है। (6) अव्यक्त फरिश्तेपन की स्थिति कम होने कारण अच्छी वा बुरी बातों की फीलिंग आने से फ़ेल हो जाते हैं। (7) अपनी याद की यात्रा से संतुष्ट कम। यह है पुरूषार्थियों के पुरुषार्थ की नम्बरवार रिज़ल्ट।

बापदादा 25/08/1971

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org